भारत - युगांडा संबंध

भारत और युगांडा के बीच द्विपक्षीय संबंधों को ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों, व्यापक आर्थिक और व्यापारिक हितों एवं प्रमुख द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर संकेंद्रित दृष्टिकोण के रूप में देखा जाता है। युगाण्डा में 27000 से अधिक भारतीयों / पी आई ओ की जनसंख्या, लगभग 1.3 बिलियन अमरीकी डालर की द्विपक्षीय संधि, युगांडा में भारत के निवेश में स्थिर वृद्धि, जो भारत को युगाण्डा में निवेशक देशों में अग्रणी स्थान दिलाती है, क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम और संस्थान तथा लोकतंत्र और शांति जैसे सार्वभौमिक मूल्यों के लिए समान और गहरी आस्था भारत - युगांडा के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाती है।

17वीं शताब्दी के प्रारंभ में व्यापार और आर्थिक हितों ने अनेक भारतीयों को अपने साजो - समान सहित पूर्वी अफ्रीका के समुद्री किनारों पर आ बसने के लिए प्रेरित किया। अंतत: अनेक भारतीय पूर्वी अफ्रीका में बस गए तथा युगांडा को अपना घर बना लिया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम से और कोलोनाइजेशन के विरूद्ध संघर्ष करने के लिए युगांडा के प्रारंभिक सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रेरणा मिली और आखिरकार सन् 1962 में युगांडा को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। भारत ने युगांडा में अपनी राजनीतिक उपस्थिति 1965 में दर्ज कराई। 70 के दशक की शुरूआत में ईदी अमीन के शासन काल में जब लगभग 55000 भारतीय मूल के लोगों और 5000 भारतीयों को युगांडा से निकाल दिया गया और उनकी संपत्ति जब्त कर ली गई, को छोड़कर दोनों देशों के बीच संबंध सौहाद्रपूर्ण रहे हैं।

अमीन की भारत विरोधी नीतियों में मौजूदा राष्ट्रपति योवरीकागुटा मुसेबेनी के 1986 में सत्ता में आते ही बदलाव आया। मौजूदा सरकार की उत्तरवर्ती नीतियों से सुनिश्चित हुआ कि भारत एवं युगांडा के संबंध पूर्व के स्तर तक पहुंचाया जाए।

युगांडा अफ्रीका में भारत का महत्वपूर्ण साथी रहा है। भारत और युगांडा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक दूसरे का सहयोग करते हैं।

उच्च स्तरीय दौरों का आदान - प्रदान

भारत की ओर से :

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए राष्ट्रमंडल प्रमुखों की सरकारी बैठक में भाग लेने के लिए वर्ष 2007 में कंपाला का दौरा किया। अगले दौरे के दौरान राष्ट्रपति मुसेबेनी से तथा विदेशी मामले और कृषि मंत्री से मिले।
- प्रधानमंत्री श्री इन्द्र कुमार गुजराल ने 1997 में युगांडा का भ्रमण किया।

- प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने सी एच ओ जी एम में भाग लेने के लिए 2007 में कंपाला का दौरा किया।
- उप राष्ट्रपति श्री हामिर अंसारी ने जुलाई, 2011 में कंपाला का दौरा किया।
- लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने अप्रैल, 2012 में अंतर संसदीय संघ की 126वीं सभा में हिस्सा लिया।
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद ने कंपाला में जनसंख्या विकास में भागीदारी की 22वीं कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता की।
- विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने द्विपक्षीय बैठकों और क्षेत्रीय एच ओ एम एस सम्मेलन की अध्यक्षता करने के लिए अप्रैल, 2013 में कंपाला का दौरा किया।
- ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री सुदर्शन भगत ने आई ए एफ एस-III के लिए राष्ट्रपति और विदेश मंत्री को निमंत्रण देने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में जुलाई 2015 में युगांडा का दौरा किया।

युगांडा की ओर से :

- राष्ट्रपति मुसेबेनी अक्टूबर, 1992 तथा अप्रैल, 2008 में दो बार भारत के दौरे पर आए। उन्होंने सितम्बर 2011, फरवरी 2015 तथा अप्रैल 2015 में भारत का तीन बार निजी दौरा भी किया।
- उप राष्ट्रपति एडवर्ड सेकंडी ने मार्च, 2013 में 9वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक कान्क्लेव में कारोबार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।
- युगांडा संसद की स्पीकर सुश्री रेबेका काडगा ने नई दिल्ली में अक्टूबर, 2012 में आयोजित संसद की महिला स्पीकर की 7वीं बैठक में हिस्सा लिया।
- ऊर्जा और खनिज विकास मंत्री श्री इरेन मुलोनी ने सम्मानित अतिथि के रूप में पेट्रोटेक 2014 में भाग लेने के लिए जनवरी, 2014 में भारत का भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान वे पेट्रोलियम और प्राकृतिक मंत्री श्री वीरप्पा मोइली से भी मिले।
- युगांडा सरकार के माननीय कृषि राज्य मंत्री प्रो0 डा0 जेसबाबेल एम0 नैरूयरा ने एशिया - अफ्रीका एग्री बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए फरवरी, 2014 में भारत का दौरा किया।
- वित्त और आर्थिक योजना विकास मंत्री सुश्री मारिया किवानुका ने 10वीं सी आई आई - एक्जिम बैंक कांक्लेव में भाग लेने के लिए मार्च, 2014 में भारत का दौरा किया।
- विदेश मंत्री श्री सैम कुटश्म जुलाई, 2014 में भारत आने वाले वरिष्ठ अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। भारत में नई सरकार के गठन के बाद भ्रमण करने वाले वे प्रथम अफ्रीकी नेता थे। उनके साथ आई सी टी मंत्री श्री जान नासासिरा, निवेश राज्य

मंत्री श्री एजेड्रा गैब्रियल तथा मत्स्य पालन राज्य मंत्री सुश्री रूथ नाकाबिरवा भी भारत आए थे। इस दौरे के दौरान माननीय कुटेशा माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने सी आई आई से भी बातचीत की।

द्विपक्षीय आदान - प्रदान के लिए संस्थागत तंत्र :

सचिव स्तरीय संयुक्त आयोग बैठकों (जे सी एम) के लिए एक द्विपक्षीय व्यवस्था सभी द्विपक्षीय मामलों पर व्यापक चर्चा हेतु ढांचा उपलब्ध करवाती है। इस साल अगली संयुक्त आयोग बैठक आयोजित करने की दिशा में प्रयास चल रहे हैं।

क्षमतावर्धन तथा विकास भागीदारी :

भारत सरकार युगांडा में खाद्य प्रसंस्करण कारोबार प्रारंभ केंद्र स्थापित कर रही है। यह केंद्र स्थानीय उद्यमियोंको खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में उनका कौशल बढ़ाने तथा इस उद्योग में प्रयुक्त नवीनतम प्रौद्योगिकी और उपकरणों के बारे में उनको परिचित कराने के लिए सहायता प्रदान करेगा और ग्रामीण युवाओं के लिए अतिरिक्त नौकरियों का सृजन करेगा। आवश्यक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं तथा अपेक्षित उपकरण खरीदने की प्रक्रिया चल रही है।

भारत अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस -I) के तहत सम्पूर्ण अफ्रीकी स्तर पर भारत द्वारा संचालित किये जा रहे 5 संस्थानों में एक भारत अफ्रीका विदेश व्यापार संस्थान (आई ए आई एफ टी) की स्थापना युगांडा में की जा रही है। यह संस्थान अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन अध्ययन में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करेगा, उद्यमिता कौशल विकसित करेगा और विदेशी व्यापार में शोध को बढ़ावा देगा। प्रासंगिक तौर - तरीकों और समझौता ज्ञापन पर विचार - विमर्श चल रहा है।

आई ए एफ एस -II के दौरान प्रत्येक आर ई सी में राजमार्गों के लिए 8 पदार्थ परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना करने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई। युगांडा को एक एम टी एल के ग्राही के रूप में आई जी ए डी द्वारा चुना गया। हाल ही में भारतीय विशेषज्ञों के एक दल ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए युगांडा का दौरा किया।

शिक्षा और स्वास्थ्य :

पैन - अफ्रीका ई - नेटवर्क परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2009 में एक टेली -चिकित्सा केंद्र और टेली -शिक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। उक्त टेली - चिकित्सा केंद्र मुलागो अस्पताल, कंपाला में स्थापित किया गया है जहां परियोजना के भाग के रूप में ई सी जी, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड आदि के लिए अनेक उपचारक उपकरण भी स्थापित किए गए हैं। यह केंद्र गुणवत्ता परक चिकित्सा परामर्श तथा मरीजों के उपचार एवं विद्यार्थियों की शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 11 प्रतिष्ठित भारतीय अस्पतालों से जुड़ा हुआ है। टेली शिक्षा केंद्र मकेरेरे विश्वविद्यालय कंपाला में स्थापित किया गया है।

भारत युगांडा निवासियों के लिए सस्ते ओर गुणात्मक स्वास्थ्य सेवा हेतु वरीय स्थान है। चिकित्सा सेवा प्राप्त करने के लिए इच्छुक युगांडा निवासियों के भारत दौरे में वृद्धि के रूझान आए हैं। पिदले तीन वर्षों के दौरान लगभग 1500 युगांडा निवासियों ने चिकित्सकीय उपचार के लिए भारत की यात्रा की है। अनेक भारतीय चिकित्सालय युगांडा से भारत में चिकित्सा पर्यटन की संभावनाएं तलाश करने के लिए कंपाला ने अपने प्रतिनिधिमंडल भेज रहे हैं।

भारत युगांडा के विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता परक और वहनीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक स्थान के रूप में देखा जा रहा है। पिछले तीन वर्षों के दौरान लगभग 1100 युगांडा विद्यार्थी भारत के विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं और इस मिशन द्वारा लगभग 1032 विद्यार्थी वीजा जारी किए गए हैं।

भारत सरकार युगांडा विद्यार्थियों को अंडर ग्रेजुएट, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और आई टी ई सी, आई सी सी आर, सी वी रमन फेलोशिप में शोध पाठ्यक्रमों को पूरा करने में समर्थ बनाने के लिए सरकारी और गैर - सरकारी दोनों क्षेत्रों से छात्रवृत्ति तथा फेलाशिप तथा विशेष कृषि छात्रवृत्ति प्रदान कर ही है। भारत विभिन्न स्कीमों के तहत युगांडा विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष लगभग 130 छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। वर्ष 2014-15 में युगांडा के लगभग 140 विद्यार्थियों ने इन छात्रवृत्तियों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत भारत की यात्रा की थी। उम्मीद है कि वर्तमान शैक्षिक वर्ष में भी विभिन्न छात्रवृत्तियों के तहत युगांडा के छात्र इतनी ही संख्या में भारत के दौरे पर आएंगे।

भारतीय संस्थाओं के कुछ विद्वानों में माननीय किन्दुमोसेके, पूर्व प्रधानमंत्री, माननीय किवेजिंजा, पूर्व आंतरिक कार्य मंत्री एवं तीसरे उप प्रधानमंत्री, वर्तमान समय में राष्ट्रपति माननीय जैकब उलानिया के वरिष्ठ सलाहकार, संसद के उपाध्यक्ष माननीय विडानडि साली, पूर्व स्थानीय सरकार मंत्री माननीय कोफेरो सिकेरेली, सांसद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा नवोन्मेष संबंधी

समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर बलूनीवावासा, मेकरेपर विजनेस स्कूल के डीन तथा कई अन्य सम्मानित सदस्य शामिल हैं।

1999 में कंपाला में स्थापित एपटेक फ्रैंचाइजी तथा 2005 में कंपाला में स्थापित सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय की एक शाखा युगांडा में भारतीय शिक्षा का प्रसार कर रही है। दो स्कूल नामतः दिल्ली पब्लिक स्कूल तथा इंडियन इंटरनेशनल स्कूल जो सी बी एस ई पाठ्यक्रम संचालित करते हैं, भी कंपाला में संचालित हो रहे हैं।

रक्षा सहयोग :

सुरक्षा और रक्षा क्षेत्रों में भारत का युगांडा से सहयोग बढ़ रहा है। प्रत्येक वर्ष युगांडा के अनेक रक्षा अधिकारी भारत में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा कालेज (एन डी सी) सहित आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं में प्रशिक्षित होते हैं।

युगांडा तथा पूर्वी अफ्रीका के अन्य देशों के सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रशिक्षण में मदद करने के लिए युगांडा सेना वरिष्ठ कमान एवं स्टाफ कालेज में फरवरी 2010 से एक भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल तैनात है।

व्यापार एवं वाणिज्य :

भारत युगांडा में एक प्रमुख एफ डी आई निवेशक रहा है। वर्ष 2013 में भारत का युगांडा में 122 मिलियन अमरीकी डालर रहा है। नियोजित एफ डी आई निवेश के संबंध में भारत तीन प्रमुख एफ डी आई स्रोतों में शीर्ष पर रहा है। यह अनुमान है कि भारतीयों / पी आई ओ ने पिछले दशक के दौरान देश में 1 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक का निवेश किया है।

भारत युगांडा एक बड़ा व्यापार साझीदार भी है। वर्ष 2014- 15 में द्विपक्षीय व्यापार 1296.76 मिलियन अमरीकी डालर रहा है। द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े निम्नानुसार हैं :

s(सभी आंकड़े अमरीकी डालर में)

वर्ष	2009 -10	2010 -11	2011 -12	2012 -13	2013 -14	2014 -15
युगांडा का आयात	16.98	18.73	16.47	16.06	18.76	24.32
भारतीय निर्यात	597.49	716.81	840.33	1231.76	1,278.03	1352.76
कुल व्यापार	614.47	735.54	856.81	1247.82	1296.79	1377.08

(स्रोत : बैंक आफ युगांडा)

शेष अधिकांश व्यापार भारत के पक्ष में है। भारत द्वारा युगांडा को निर्यात किए जाने वाले अधिकांश हिस्सों में अन्यों के साथ - साथ औषधियों, साइकिल और साइकिल पार्ट, आटोमोबाइल संघटक, लघु उद्योग कृषि प्रसंस्करण मशीनरी, टू व्हीलर, टक्सटाइल, टायर और खेलकूल उपकरण शामिल हैं। युगांडा लगभग 30 प्रतिशत फार्मास्यूटिकल का आयात भारत से करता है। भारत का युगांडा से होने वाले आयात में चाय, लकड़ी और लकड़ी के उत्पाद शामिल हैं। युगांडा के तल और गैस क्षेत्र में 2015 के मध्य में कार्य शुरू होने की उम्मीद है। जब तेल ब्लाकों की लाइसेसिंग का नया चरण 2013 में शुरू होगा।

भारत और युगांडा के बीच दोहरी कराधान परिहार व्यवस्था से बचने के लिए करार 2004 से लागू हैं। कृषि और संबद्ध कार्यकलापों के क्षेत्र में सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन पर वर्ष 2007 में हस्ताक्षर हुए थे। युगांडा 2012 से ड्यूटी फ्री टैरिफ प्रीफरेंस (डी एफ टी पी) स्कीम में शामिल हो गया है। युगांडा की ओर से कुछ स्पष्टीकरणों के अभाव में भारत और युगांडा के बीच परस्पर कानूनी सहायता संधि अटकी हुई है।

भारतीय समुदाय :

लगभग 27000 + भारतीय और पी आई ओ युगांडा में रहते हैं और इसकी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारतीय राजस्व प्राधिकरण की सांख्यिकीय विवरण के अनुसार भारतीय नागरिक / पी आई ओ स्थानीय तौर पर युगांडा का 65 प्रतिशत कर अदा करते हैं और इसके द्वारा अर्पित राजस्व का लगभग 60 प्रतिशत योगदान करते हैं। अनेक क्षेत्रों जैसे कि विनिर्माण (एन सी पेय पदार्थ), व्यापार (एनि सुआमा), कृषि प्रसंस्करण (नीक एग्रो), शिक्षा (टेम्नोब्रेन, एप्टेक) ऑटो (टाटा) बैंकिग एवं वित्त सेवाएं (बैंक आफ बड़ौदा और बैंक आफ इंडिया) चीनी (मेयुज), रियल इस्टेट (तिरूपति) आतिथ्य सत्कार एवं पर्यटन (सतगुरू) और सूचना प्रौद्योगिकी (प्रौद्योगिकी सहायता) में भारतीय कंपनियां अग्रणी हैं। इनके अलावा, रूपारेलिया समूह, एम ए आर ए समूह, माधवानी समूह, मेहता समूह, किबोको, मुकवानो समूह, और रूफिंग कुछ प्रमुख पी आई ओ स्वाधिकृत विविध कारोबार हैं। पी आई ओ और एन आर आई द्वारा पिछले दशक में युगांडा में लगभग बिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया गया और हमारी युगांडा वासियों को रोजगार प्रदान किया गया। भारतीय कंपनिया कारपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यकालपों में अग्रणी हैं।

जनवरी, 2015 में प्रमुख पी आई ओ, उद्यमी और मेहता ग्रुप के प्रमोटर श्री महेंद्र मेहता ने प्रवासी भारतीय सम्मान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक संबंध :

आई सी सी आर द्वारा नामित मंडलियां कंपाला में एक नियमित विशेषता है। पिछले साल, एक भारतीय शास्त्रीय फ्यूजन ग्रुप - सोल संवाद ने कंपाला का दौरा किया। इस साल जून में, एक कुचीपुडी नृत्य समूह ने कंपाला का दौरा किया और उम्मीद है कि भारतीय एवं स्थानीय समुदाय के मनोरंजन के लिए जुलाई में गोवा की नृत्य मंडली - केप्चिम किरणम युगांडा के दौरे पर जाएगी।

युगांडा में भारतीय समुदाय समान उत्साह से सभी त्यौहार एवं पर्व मनाता है। त्यौहारों के अलावा, प्रतिवर्ष भारत दिवस मनाया जाता है जो सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इन वर्षों में सुनिधि चौहान, मीका सिंह और अन्य जैसी महान विभूतियों ने इंडिया डे के दौरान अपनी कला का प्रदर्शन किया।

सबसे अधिक उल्लेखनीय यह है कि युगांडा अफ्रीका महाद्वीप का एक मात्र ऐसा देश है जहां राजभवन में दीवाली मनाई जाती है। इन तीन लगातार वर्षों में राष्ट्रपति सोवेनी ने भारतीय समुदाय का स्वागत किया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, कंपाला की वेबसाइट :
http://hci.gov.in/kampala/

*****

अगस्त, 2015